Raj Express (Indore), 12th August 2022, Page No. 02

33 प्रतिशत महिलाएं ही लेती हैं स्वतंत्र निवेश निर्णय

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

एक सर्वेक्षण में पाया गया कि केवल 33 प्रतिशत महिलाएं ही स्वतंत्र निवेश निर्णय लेती हैं। ऐसा इसलिए था क्योंकि उनके माता-पिता और पतियों ने तब ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित किया था। महिलाओं को निवेश करने से रोकने वाला मानसिक अवरोध यह था कि 49 प्रतिशत महिलाओं ने महसूस किया कि उन्हें निवेश करने के बारे में कोई जानकारी नहीं है। हमारे पास ऐसे कई प्लेटफार्म हैं जहां हम ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। जब भी ज्ञान प्राप्त करने की बात आती है तो दो महत्वपूर्ण बातें होती हैं। एक है सीखने की क्षमता और दूसरी है सीखने की इच्छा। यह कहना हैं सीए रचना रानाडे का। महिला और वित्तीय स्वतंत्रता विषय पर उन्होंने अपने विचार रखें। आईआईटी इंदौर में टेडएक्स का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यम 'फीनिक्स इन द मैकिंग' थीम पर आयोजित किया गया जिसमें विभिन्न वक्ताओं ने अपने अनुभव साझा किए।

पहली बार हमने चीन को पीछे छोड़ा

कार्यक्रम की शुरुआत निर्मल एन आर ने इमरजिंग फ्रॉम द एशेस थ्रू काइंडनेस एट वर्क विषय पर अपने विचार साझा करने के साथ हुई। उन्होंने काम पर नेकी के महत्व पर जोर दिया और बताया कि इससे उन्हें सफलता प्राप्त करने में कैसे मदद मिली। इसके बाद याग्नेश संघराजका ने स्टार्टअप फंडरेजिंग एंड कैप टेबल स्ट्रक्चरिंग पर अपनी बात साझा करते हुए कहा कि सरकार स्टार्टअप में इतना फंड क्यों आवंटित कर रही है? यह सिर्फ इसलिए क्योंकि स्टार्टअप व्यवधान की लहर पैदा कर रहे हैं। बड़े संगठन भी इस विघटनकारी परिवर्तन का हिस्सा बनना चाहते हैं। 2021 में चीन के 42 यूनिकॉर्न के मुकाबले भारत ने 44 यूनिकॉर्न बनाएं हैं, इसलिए पहली बार हमने चीन को पीछे छोड़ दिया हैं। यूनिकार्न की कुल संख्या के मामले में भारत, अमेरिका और चीन के बाद तीसरे स्थान पर आ गया है। यह संख्या मूल्य निर्माण का एक स्पष्ट संकेत है। अमित बोरकर ने कहा कि मेटावर्स का मतलब कुछ ऐसा है जो ब्रह्मांड से परे है लेकिन कोई भी ब्रह्मांड की सीमा को नहीं जानता है इसलिए इसे सैकड़ों और हजारों आभासी दुनिया के संग्रह के रूप में परिभाषित किया गया है। यह एक थ्री डी दुनिया है जो लगातार स्थानिक है और जहां एक ही समय में कई उपयोगकर्ता सह-अस्तित्व में रह सकते हैं।